



राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

कार्यालय : 82, पटेल कॉलोनी, गवर्नमेन्ट प्रेस के पास, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर-302001
संरक्षक : सर्वश्री नानक कुन्दनानी, संतोष चन्द्र सुराणा, चौथमल सनाढ्य, राजनारायण शर्मा, रामावतार शर्मा
(Regd. & Recognised by Govt. & Affiliated to ABRSM, AIPTF, AISTF, E.I. & RRKM)

सम्पत सिंह अध्यक्ष मो. 94133-44625	नटवर लाल पांचाल सभाध्यक्ष मो. 94143-52597	प्रहलाद शर्मा संगठन मंत्री मो. 94140-56109	अरविन्द व्यास महामंत्री मो. 94143-96596
--	---	--	---

प्रेस विज्ञप्ति शिक्षको के स्थगित वेतन-भत्तों के भुगतान की उठी मांग शिक्षक संघ(राष्ट्रीय) ने भेजा ज्ञापन

जयपुर 09 फरवरी 2021। कोरोना महामारी के दौरान राज्य के शिक्षको का माह मार्च 2020 के 16 दिनों का वेतन स्थगित किया गया। अब उक्त महामारी पर नियंत्रण पा लेने से विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा कक्षा 6 से 12वीं तक की कक्षाओं में बालको को बुलाने व अध्यापन कार्य करवाना भी प्रारम्भ कर दिया है। वहीं विगत 6 माह से राजस्व प्राप्ति के समस्त स्रोत भी प्रारम्भ हो चुके हैं। किंतु कोरोना रोकथाम में सहयोग करने वाले शिक्षको के मार्च 2020 के स्थगित वेतन का अब तक भुगतान नहीं किया है। जिससे शिक्षको में रोष व्याप्त है। जबकि शिक्षको के वेतन से कोरोना महामारी में सहायतार्थ 3 बार वेतन से कटौती कर ली गयी है।

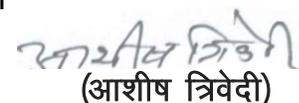
राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रदेश महामंत्री श्री अरविंद व्यास ने बताया कि संगठन ने राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री एवं मुख्य शासन सचिव को पत्र भेजकर आग्रह किया है कि शिक्षको के माह मार्च 2020 का स्थगित वेतन दिलवाने के आदेश पारित करने के साथ उपार्जित अवकाश वेतन भुगतान पर लगी रोक हटवाने के आदेश जारी करवाकर राहत प्रदान की जावे।

संगठन के प्रदेशाध्यक्ष श्री सम्पतसिंह ने कहा कि लगातार महंगाई बढ़ रही है किंतु महंगाई भत्ते को फ्रिज कर दिए जाने से बढ़ी महंगाई का आर्थिक भार शिक्षको पर पड़ रहा है। ऐसे में मार्च 2020 के 16 दिनों का स्थगित वेतन के भुगतान व सरेंडर भुगतान पर लगी रोक हटाने से शिक्षको को बड़ी राहत मिल सकती है।

औसत मूल वेतन 50 हजार पर हो रहा है करीब 61507 रुपये का नुकसान

संगठन के प्रदेश संगठन मंत्री श्री प्रहलाद शर्मा ने बताया कि एक शिक्षक जिसका मूल वेतन 50 हजार है, उसका माह मार्च 2020 का 16 दिनों के स्थगित मूल वेतन 25806 रुपये होगा। जिस पर वर्तमान महंगाई भत्ता दर 17 प्रतिशत के हिसाब से 4387 रुपये व 8 प्रतिशत मकान किराया भत्ता के 2064 रुपये बनेगा। इस प्रकार मार्च 2020 का कुल स्थगित वेतन 32267 रुपये बनेगा।

इसी प्रकार अधिकांश शिक्षको के 15 दिनों के उपार्जित अवकाश वेतन के भुगतान पर रोक होने के कारण वह पी. एल. सरेंडर नहीं ले पा रहा है। 50 हजार मूल वेतन पर 15 दिनों के वेतन 25000 रुपये व उस पर 17 प्रतिशत महंगाई भत्ते की राशि 4250 के साथ कुल 29250 का भुगतान भी बकाया चल रहा है। इस प्रकार स्थगित मूल वेतन व रोके गए सरेंडर को मिलाकर 50 हजार मूल वेतन वाले एक शिक्षको को तकरीबन 61507 रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। संगठन शिक्षको के वाजिब व हक के वेतन भत्तों के भुगतान की मांग करता है।


(आशीष त्रिवेदी)

संयोजक - मीडिया प्रकोष्ठ
राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)